पाठ 4. पाँच बौने

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों व प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। 'पाँच बौने' एक विदेशी लोककथा है जिसमें परोपकार के महत्व और उससे मिलने वाली खुशियों का ज़िक्र किया गया है।

पाठ का सार

जैक और जूली जूते बनाने का काम करते थे। एक रात चमड़ा घट जाने के कारण जूता पूरा नहीं बन पाया। वे जाकर सो गए। अगली सुबह देखा तो वहाँ पर चमचमाते जूते रखे थे। अब हर दिन ऐसा ही होने लगा। छिपकर देखने पर मालूम पड़ा कि पाँच बौने आकर जूते बना जाते थे। अब जूली ने भी उनके लिए नये कपड़े सिलकर कमरे में रख दिए। नये कपड़े पाकर बौने बहुत खुश हुए।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  इस पाठ में जूते बनाने वाले पति-पत्नी के बारे में वर्णन है। इस पाठ को पढ़ाते समय बीच-बीच में श्रम का महत्व समझाएँ। एक-दूसरे की सहायता क्यों करनी चाहिए और उससे मिलने वाली खुशी के बारे में बताएँ। उन लोगों के बारे में अवश्य बताएँ जो हमारे आस-पड़ोस में रहते हैं और हमारी सहायता करते हैं, जैसे-जूते मरम्मत करने वाले, लकड़ी का सामान बनाने वाले, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, कपड़े सिलने वाले, आदि।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - उच्चारण के द्वारा अं (ं) और अँ (ँ) में अंतर स्पष्ट करें। आधे ङ / ञ / ण / न / म अर्थात् ङ् / ञ् / ण् / न् / म् के लिए उनके पहले वाले वर्ण में अनुस्वार की मात्रा (ं) लगाई जा सकती है। अनुस्वार व चंद्रबिंदु की मात्राओं के लगने वाले स्थान पर विशेष ध्यान दें।
  - परिभाषा देने से बचते हुए बच्चों को एक और अनेक में अंतर बताएँ और वचन के कारण शब्दों में होने वाले परिवर्तन की ओर ध्यान आकृष्ट करें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - सिले-सिलाए वस्त्र अर्थात् रेडीमेड कपड़ों के बारे में चर्चा करें। साफ़-सुथरे कपड़े पहनने की प्रेरणा दें। कपास से सूत काता जाता है। सूत से कपड़े बुने जाते हैं। इसके बारे में सरल शब्दों में चर्चा करें।